

number 2 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

"2. Mrs. A. Antony, 17-11-1937".
Registrar, Bihar-
Nurses Registration
Council, Patna-6.

[No. V-14013/1/88-PMS]
G.G.K. NAIR, Under Secy.

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1988

का.आ. 1402:—ब्यूरो, भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 6 के साथ पठित, भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (2), तारीख 12 मई, 1987 में प्रकाशित भारतीय मानक ब्यूरो की अधिसूचना सं. का.आ. 464 (अ) का निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, क्रम संख्यांक (3) और उससे संबंधित विनियम के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

- (3) "शिको. की. आर. गुवाटी,
मानकीकरण निदेशक,
रक्षा मंत्रालय,
रक्षा उपकरण विभाग,
नई दिल्ली।"

[सं. की आई एस/ई सी/ए-1]

कि.रा. परमेश्वर, महानिदेशक

टिप्पणी:— मूल अधिसूचना सं. का.आ. 464 (अ), तारीख 12 मई, 1987 द्वारा अधिसूचित की गई थी और उपरोक्त संशोधन का.आ. सं. 328, तारीख 20 जनवरी, 1988 द्वारा संशोधन किया गया है।

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 22nd April, 1988

S.O. 1402.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Bureau of Indian Standards Act, 1953 (1953 का 63) and rule 6 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1957, the Bureau, with the approval of the Central Government, hereby makes the following amendment to the notification of the Bureau of Indian Standards No. S.O. 464(E) published in the Gazette of India Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 12th May, 1987, namely:—

(संस्कृति विभाग)

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1988

(पुरातत्व)

का.आ. 1404:—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपायुक्त अनुसूची में विनियमित प्राधान्य महत्व के हैं।

In the said notification for serial number (b) entry relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

"(3) Brig. B. R. Galati,
Director of Standardization,
Ministry of Defence,
Department of Defence Production,
New Delhi."

[No. 518]

K. R. PARAMESHWAR, Director

Note:—The principal notification was notified in S.O. 464(E) dated 12th May, 1987 and subsequently amended vide S.O. 368 dated 20th May, 1988.

जन-भूतल परिवहन विभाग
(नौवहन पथ)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1988

(मर्चेंट नौवहन)

का. आ. 1403:—केन्द्रीय सरकार, नौवहन परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके और भारत सरकार, भूतपूर्व नौवहन और परिवहन अधिसूचना सं. सा.का.नि. 851 निवक्र 13 जून, 1987 अधिसूचना सं. का.आ. 464 (अ) के तहत प्रयोग किए जाने वाली शक्ति नौवहन विभाग को प्रयोग में आई जाएगी।

[का. सं. एम डब्ल्यू/एम डब्ल्यू एम-41]

राम सांगे

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORTATION
(Shipping Wing)

New Delhi, the 22nd April, 1988
(Merchant Shipping)

S.O. 1403.—In exercise of the powers conferred by section (2) of section 7 of the Merchant Shipping Act, 1958 (1958 का 44) and in supersession of S.O. 464(E) of the Government of India in the notification of the Shipping and Transport No. G.S.R. 464(E) of 12th May, 1987, the Central Government hereby makes the following amendment to the notification of the Bureau of Indian Standards No. S.O. 464(E) published in the Gazette of India Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 12th May, 1987, namely:—

[File No. 518]
RAM SANGE

भारत, अब, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्त्विक स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की सूचना देती है,

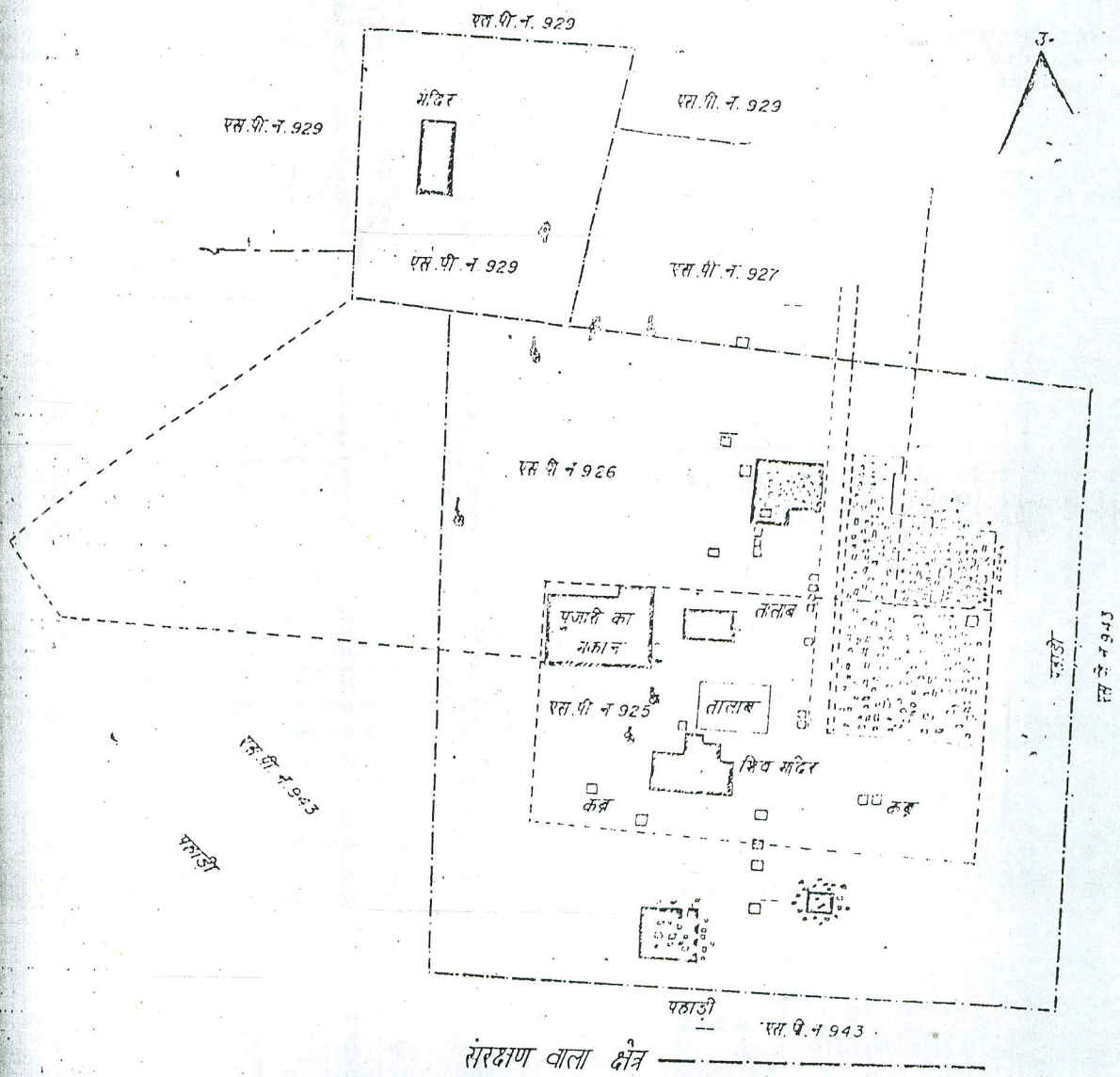
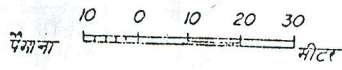
ऐसे आशय पर, जो इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो मास की अवधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारकों में हितवद् किसी व्यक्ति से प्राप्त होगा, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

अनुसूची

क्र.सं.	जिला	तहसील	परिक्षेत्र	संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन सम्मिलित किया जाने वाला राज्य प्लॉट संख्याएं
1	2	3	4	5	6
मध्य प्रदेश	मुरेना	मुरेना	पढ़ावली	नीचे पुनर्प्रस्तुत स्थल रेखांकन में यथावर्णित बटेश्वर स्थित मंदिरों का समूह	सर्वेक्षण प्लॉट सं. 925 और सर्वेक्षण प्लॉट सं. 926, 929 और 943 के भाग
क्षेत्र	सीमा	स्वामित्व	टिप्पणियां		
7	8	9	10		
2.097 हेक्टेयर	उत्तर : सर्वेक्षण प्लॉट सं. 927, 929 और 943 का भाग पूर्व : सर्वेक्षण प्लॉट सं. 943 का भाग दक्षिण : सर्वेक्षण प्लॉट सं. 943 का भाग पश्चिम : सर्वेक्षण प्लॉट सं. 926 और 943 का भाग	राजस्व विभाग मध्य प्रदेश	मुख्य मंदिर जिसमें पूजा होती है।		

बटसर में मंदिर समूह का मान-चित्र

जिला और तहसील मुरैना, ग्राम - पद्यावली



[सं. 2/25/78-एम]

Pice

THE GAZETTE OF INDIA

[Part II—Section 3 (ii)]

भासा का राजनवः मई 7, 1988/बिमांक 17, 1910

1817

DEPARTMENT OF CULTURE

(Archaeological Survey of India)

New Delhi, the 28th April, 1988

ARCHAEOLOGY

S.O. 1404.—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance.

Any objection which may be received within a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette from any person interested in the said ancient monument will be taken into consideration by the Central Government.

SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of monument	Revenue plot numbers to be included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	
Madhya Pradesh	Morena	Morena	Padhavali	Group of temples at Batesar as shown in the site plan reproduced below	Survey plot No. 925 and parts of survey plot Nos. 926, 929 and 943	2.097 hectares	North.—Part of survey plot Nos. 927, 929 and 943 East.—Part of survey plot No. 943 South.—Part of survey plot No. 943 West.—Part of survey plot Nos. 926 & 943	Revenue Department, Madhya Pradesh	Main temple under worship

SITE PLAN

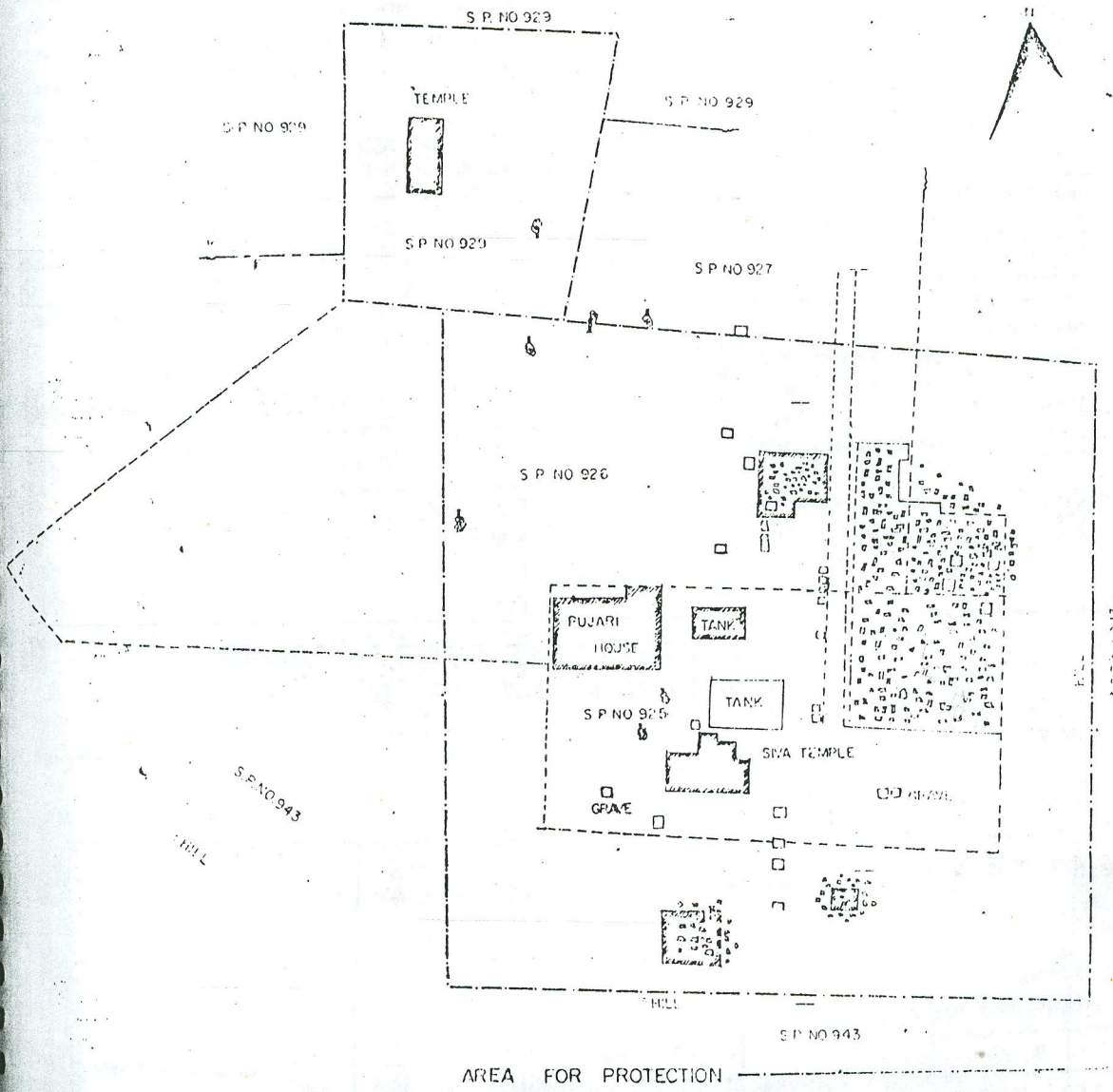
P-166

105 A

SITE PLAN OF GROUP OF TEMPLES AT BATESAR

DISTRICT & TAHSIL MORENA; VILLAGE - PADHAVALI

SCALE OF METRES



[No. 2/25/78-M]